महत्वपूर्ण एवं खास

छत्तीसगढ़ के सभी मंत्री, सांसद और विधायक 13 को महाकुंभ में लगाएंगे डुबकी

रायपुर। सीएम विष्णुदेव साय ने प्रयागराज दौरे की जानकारी दी. छत्तीसगढ़ के सभी मंत्री, सांसद और विधायक 13 फरवरी को महाकुंभ में डुबकी लगाएंगे. विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सभी को पत्र लिखकर न्योता भेजा है, जिसमें लिखा है कि मेरी इच्छा है कि विधानसभा के सभी सदस्य, सांसद महाकुंभ स्नान का लाभ लें. रमन सिंह ने पत्र में लिखा है कि गंगा, यमुना और सरस्वती के पावन त्रिवेणी संगम पर आयोजित धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता करते हुए सनातन लोकतांत्रिक परंपराओं का सजीव अनुभव करने का अवसर प्राप्त होगा. उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भी छत्तीसगढ़ विधानसभा के सभी सदस्यों को आमंत्रित किया है. दोनों राज्यों के विधायकों और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से यह आयोजन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से और भी ऐतिहासिक होगा.

शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म

रायपुर (आरएनएस)। शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थिया की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार 31 वर्षीय प्रार्थिया ने डीडीनगर थाना में शिकायत किया कि आरोपी डिगेश्वर साहू 32 वर्ष से उसका परिचय फेसबुक के माध्यम से हुआ। इस दौरान आरोपी ने प्रार्थिया को शादी का प्रलोभन देकर कृष्णा नगर स्थित अपने किराए के मकान में बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर शादी से इंकार कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है।

पिकअप पलटने से दो की मौत, 5 घायल

महासमुंद (आरएनएस)। महासमुंद जिले में बीती रात एक दर्दनाक सडक़ हादसा हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और 4 से 5 लोग घायल हो गए। यह हादसा नरतोरा के पास हुआ, जब ओडिशा से बारात लेकर वापस आ रहा पिकअप वाहन टायर फटने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना 112 और पुलिस को दी, जिसके बाद पटेवा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल व्यक्तियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुमगांव पहुंचाया। पिकअप में सवार लगभग आधा दर्जन लोगों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाकी पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। बारात बरभाठा पटेवा से ओडिशा गई थी और बीती रात वापस लौटते वक्त यह हादसा हुआ। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

राजिम कुंभ मेला शुरू होने से पहले फूटा व्यापारियों का गुस्सा, तहसील कार्यालय के सामने किया प्रदर्शन

गरियाबंद (आरएनएस)। राजिम कुंभ कल्प मेला 12 फरवरी से शुरू हो रहा है. इस महाआयोजन के लिए खरीदारी कर चुके व्यापारियों को दुकान लगाने की अनुमति नहीं मिली है, जिसके विरोध में उन्होंने तहसील कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे व्यापारियों की मांग है कि उन्हें कुलेश्वर मंदिर से राजीवलोचन मंदिर के बीच नदी में दुकान लगाने की इजाजत दी जाए. उनकी दलील है कि पिछले 20 वर्षों से वे इसी स्थान पर दुकान लगाते आ रहे हैं. इस बार भी दुकान लगाने की उम्मीद से वे पहले ही लाखों रुपये का माल खरीद चुके हैं. ऐसे में स्थान बदले जाने से उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ेगा.

महाकुंभ में चैतन्य देवियों की झांकी की भव्य सफलता पर व्यक्त किया आभार, कहा भिलाई को भलाई का वरदान प्राप्त

भिलाई । आरएनएस

प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के पावन अवसर पर भिलाई ब्रह्मकुमारीज़ द्वारा आयोजित स्वर्णिम भारत ज्ञान कुंभ मेले चैतन्य देवियों की भव्य झांकी को मिले अपार प्रेम, श्रद्धा और परमात्म अवतरण संदेश के लिए प्रयागराज सेवाकेंद्रो की निदेशिका एवं मेला प्रभारी राजयोगिनी मनोरमा दीदी जी ने शिक्षा एवं इस्पात नगरी मिनी इंडिया भिलाई का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

भिलाई को पूरे विश्व के ब्रह्माकुमारीज़ परिवार में भलाई करने वाले कहा जाता है, इस वरदान और राजयोगिनी आशा दीदी जी के श्रेष्ठ संकल्प से प्रयागराज महाकुंभ में चैतन्य देवियों की झांकी निर्विघ्न अनवरत जारी है।

स्वर्णिम भारत ज्ञानकुंभ मेले एवं चैतन्य देवियों की झांकी का दर्शन लाभ उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, डिस्टिक जज संतोष राय,प्रशासनिक अधिकारीगण,संत महात्मा,विदेशी श्रद्धालु,मीडिया सदस्य सहित समस्त भारतवर्ष के असंख्य श्रद्धालुओं ने दर्शन लाभ प्राप्त किया।

मनोरमा दीदी जी ने बताया कि

इस पवित्र महाकुंभ के लिए जैसे एक पूरा जिला और नगर बस गया,ठीक इसी प्रकार हम सभी के पवित्र संकल्पों से स्वर्णिम भारत की परिकल्पना भी साकार होनी ही है।

विशेष चैतन्य देवियों की झांकी के दर्शन उपरांत संत महाराज ने एक टांग में खड़े होकर एवं विदेशी श्रद्धालु मूर्ति रूप में विराजमान चैतन्य देवियों की आरती कर अपनी भावनाओं को प्रकट कर रहे है।

इस दिव्य झांकी ने श्रद्धालुओं को राजयोग द्वारा प्राप्त शक्तियों से तन और मन की एकाग्रता,युगों का दर्शन,परमात्म परिचय,आत्मज्ञान, शाश्वत यौगिक खेती, सनातन भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का अनुपम संदेश दिया, जिसे देश-विदेश से आए भक्तों ने अत्यंत सराहा।

झांकी स्थल पर आयोजित राजयोग मेडिटेशन और आध्यात्मिक मूविंग चित्र प्रदर्शनी में असंख्य श्रद्धालुओं की भागीदारी ने यह सिद्ध कर दिया कि आध्यात्मिक शांति और आत्मशुद्धि की राह पर लोगों की रुचि लगातार बढ़ रही है। श्रद्धालुओं की सकारात्मक प्रतिक्रियाओं और दिव्य अनुभवों ने इस आयोजन को और भी सार्थक बना दिया।

ज्ञात हो कि प्रयागराज महाकुंभ मेला क्षेत्र स्थित सेक्टर 7,बजरंग दास मार्ग में भिलाई की चैतन्य देवी की अलौकिक दिव्य झांकी मेला भिलाई ब्रह्माकुमारी द्वारा लगाया गया है,जिसमें भिलाई एवं भारत के अन्य सेवाकेंद्रो से आए सेवाधारी भाई बहने अथक होकर अपनी सेवाएं दे रहे है।

मोर जल मोर माटी ने लाख की खेती के माध्यम से ग्रामीण आय को दिया बढ़ावा

कोरबा । आरएनएस

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपनी सामुदायिक विकास पहल मोर जल मोर माटी के अंतर्गत लाख खेती के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। इसका उद्देश्य लाख की खेती पर विशेष प्रशिक्षण प्रदान कर, किसानों को सशक्त बनाना है। इस प्रशिक्षण में उन लोगों पर ध्यान केंद्रित किया गया है जिनके पास बेर, कुसुम और पलाश जैसे पेड़ हैं जो इसके लिए नये हैं।

अधिक से अधिक किसानों तक पहुँचने के लिए अनेक सत्र आयोजित किये गए। आयोजित सत्र में 50 से अधिक किसानों ने भाग लिया। आने वाले समय में कई प्रशिक्षण सत्र और आयोजित किये जाएंगे। आने वाले समय में अधिक किसान इस पहल से लाभान्वित होंगे। आय के द्वितीयक स्रोत के रूप में लाख की खेती की शुरुआत कर बालको ने 400 से अधिक किसानों के लिए 50,000 की अतिरिक्त औसत आय उत्पन्न करने में मदद की है।

छत्तीसगढ़ एक प्रमुख लाख उत्पादक राज्य है। जलवायु परिवर्तन के कारण पैदावार में उतार-चढ़ाव का सामना कर रहा कोरबा कभी एक प्रमुख उद्योग केंद्र था। 2023 में मोर जल मोर माटी पहल ने आधुनिक तरीकों के साथ झारखंड से विशेषज्ञ प्रशिक्षण प्रदान करके क्षेत्र में लाख की खेती को पुनर्जीवित किया। इसने स्थानीय किसानों और कर्मचारियों को सशक्त बनाया है।

किसान अब संसाधनों को साझा करते हैं और साथ मिलकर खेती करते हैं। इस पहल के साथ ब्रूड लाख की आपूर्ति होती है। इसकी खेती साल में दो बार होती है। बीज उत्पादन तथा व्यावसायिक उत्पादन, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन में वृद्धि होती है। लकड़ी की फिनिशिंग, भोजन, सौंदर्य प्रसाधन, आभूषण इत्यादि जरूरी चीजों में इसका उपयोग होता है। इसके व्यावसायिक मूल्य के साथ लाख की खेती समुदायों के लिए स्थायी आजीविका का समर्थन करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। साथ ही समुदाय द्वारा संचालित भूमि प्रबंधन को बढ़ावा देने तथा जैव विविधता संरक्षण में सहायता प्रदान करती है। कौशल और ज्ञान की कमी ने इसके विकास को सीमित कर दिया है। वैज्ञानिक खेती के तरीकों को अपनाने से मौजूदा लाख उगाने वाले क्षेत्रों में उत्पादकता को बढ़ावा मिलै है। लाख के उप-उत्पाद में ब्र, रंग और मोम शामिल हैं।

इसका उपयोग खाद्य, सौंदर्य प्रसाधन, फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा, चिपकने वाले पदार्थ, वार्निश और पेंट जैसे उद्योगों में किया जाता है। बेहतर खेती के तरीके लाभप्रद होने के साथ किसानों को पारंपरिक फसलों के लिए अधिक आकर्षक विकल्प भी प्रदान करता है। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि मोर जल मोर माटी प्रोजेक्ट के माध्यम से हम किसानों को कृषि नवाचार एवं आधुनिक तकनीक के जोडक़र सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

किसानों को नई तकनीक अपनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और संसाधन से सशक्त बनाकर हम दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा दे रहे हैं। आय का एक अतिरिक्त स्रोत प्रदान कर हम ग्रामीण समुदाय की आजीविका का समर्थन कर रहे हैं। यह प्रतिबद्धता आर्थिक प्रगति को आगे बढ़ाने और सभी क्षेत्रों में स्थिरता बढ़ाने के हमारे व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

हुक्का सप्लाई करने वाले पान दुकान के मालिक और संचालक गिरफ्तार

रायपुर । आरएनएस

रायपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ अपनी विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्यवाही की है। थाना न्यू राजेन्द्र नगर के तहत स्थित अरिहंत कॉम्पलेक्स स्थित पान स्टोरी पान दुकान के संचालकों द्वारा प्रतिबंधित हुक्का से संबंधित सामग्रियों की बिक्री की जा रही थी, जिसे एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट और न्यू राजेन्द्र नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने पकड़ लिया।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में पान दुकान के संचालक अफसर अली और मालिक अनुराग मंधानी शामिल हैं। पूछताछ में दोनों ने माना कि वे प्रतिबंधित हुक्का सामग्रियों की बिक्री और भण्डारण कर रहे थे। पुलिस ने इनके कब्जे से प्रतिबंधित हुक्का पॉट, पाईप, नोजल, कोल, फ्लेवर, तम्बाकू और अन्य हुक्का सामग्री की बरामदगी की है, जिसकी कुल कीमत करीब 2 लाख रुपये बताई जा रही है। इस संबंध में दोनों आरोपियों के खिलाफ सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापारा तथा वाणिज्य उत्पादन प्रदाय और वितरण का विनियमन) अधिनियम 2003 एवं संशोधन अधिनियम 2023 के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम अफसर अली 43 वर्ष निवासी ग्राम पिल्ठी जिला मिर्जापुर, व अनुराग मंधानी 32 वर्ष निवासी राजीव नगर, खम्हारडीह है।

वक्फ बोर्ड ने मुतवल्लियों को जारी किया पत्र, वक्फ संपत्तियों की मांगी जानकारी

रायपुर । आरएनएस

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के सीईओ ने सभी मुतवल्लियों को पत्र जारी कर वक्फ संपत्तियों की जानकारी मांगी है. पत्र में मस्जिद, मदरसा, दरगाह कब्रिस्तान, ईदगाह, खानकाह, इमामबाड़ा, ताजिया चौकी, मकान, दुकान, कृषि, भूमि, स्कूल, प्लॉट वक्फ अलल औलाद की जानकारी मांगी है. जमीन के दस्तावेजों के साथ 12 फरवरी तक जानकारी भेजने के निर्देश दिए गए हैं. बताया जा रहा कि वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा करने सेंट्रल पोर्टल में संपत्तियां अपलोड की जाएगी.

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड द्वारा मुतवल्लियों को पत्र लिखने पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा, निश्चित रूप से सभी मुतवल्लियों को वक्फ संपत्ति की जानकारी देनी चाहिए. वक़्फ़ बोर्ड का पत्र लिखने का मतलब धार्मिक और सामाजिक कामों के उपयोग के लिए जो जमीन है उसका ब्यौरा रखना है.

वक्फ बोर्ड ने पत्र में राजस्व अभिलेख जैसे वक्फनामा, वक्फ डीड, रजिस्ट्री की कॉपी, बी-1, पी-2 नक्शा खसरा पंचसाला, मेंटेनेंस खसरा, नजूल शीट की सत्यापित प्रति/ छायाप्रति प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है. जानकारी के अनुसार पिछले दिनों संयुक्त संसदीय समिति वक्फ, लोकसभा सचिवालय और सचिव भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय नई दिल्ली की अध्यक्षता में एक बैठक हुई.

टेकारी विद्यालय में पेयजल समस्या से जूझ रहा शाला परिवार , निजात दिलाने नये बोर की मांग

रायपुर । आरएनएस

ग्राम टेकारी (कुंडा) स्थित विद्यालय परिसर में फरवरी माह के शुरूआत से ही पेयजल की समस्या भयावह होने लगा है । इस परिसर में उच्चतर , उच्च व पूर्व माध्यमिक शाला लगता है । छात्र - छात्राओं , गुरुजनों व कर्मचारी वृंद को मिला शैक्षणिक दिवसों पर यहां 500 शालेय परिवा सदस्य मौजूद रहते हैं । समस्या की भयावहता को देखते हुये शाला विकास समिति , पंचायत व ग्रामीण सभा ने शासन - प्रशासन से अविलंब नया बोर खनन का आग्रह किया है और जनप्रतिनिधियों के चुनावी समर में व्यस्तता के चलते मुलाकात न हो पाने की वजह से मेल से ज्ञापन भेज ध्यानाकर्षण कराया है ।

संसदीय क्षेत्र रायपुर व विधानसभा आरंग के अधीन स्थित है यह ग्राम । वर्तमान शैक्षणिक सत्र समाप्त होने में अभी लगभग ढाई माह से अधिक समय बाकी है पर अभी से उठ खड़े हो रहे पेयजल की समस्या दिन-प्रतिदिन विकराल रूप धारण करते जा रहा है । परिसर में स्थित बोरवेल सूख चले हैं । जानकारी मिलने पर शाला विकास समिति के अध्यक्ष शंकर वर्मा , समिति में मनोनीत सांसद प्रतिनिधि मिथिलेश साहू , विधायक प्रतिनिधि राजू मनहरे व सदस्यगण , पूर्व अध्यक्ष हुलासराम वर्मा , ग्रामीण सभा अध्यक्ष रामनाथ वर्मा व कोषाध्यक्ष अशोक नायक , सरपंच नंदकुमार यादव सहित किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेंद्र शर्मा ने परिसर पहुंच स्थिति का जायजा लिया व ग्राम के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने विभागीय मंत्री केदार कश्यप , क्षेत्रीय सांसद बृजमोहन अग्रवाल व क्षेत्रीय विधायक गुरु खुशवंत सिंह साहेब से मुलाकात करने का प्रयास किया पर उनके चुनावी व्यस्तता के चलते मुलाकात संभव नहीं हो पाया। इस स्थिति में शर्मा ने इन तीनों को मेल से ज्ञापन भेज वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुये शाला परिवार के हित में अविलंब नया बोरवेल करवाने का आग्रह किया है ।

पवन की गिरफ्तारी की मांग तेज, गोंड़ समाज में बढ़ रहा रोष

कोरबा । आरएनएस

गोंड समाज को लेकर अमर्यादित टिप्पणी करने वाले भाजपा के नेता और नगर पालिका परिषद कटघोरा के वार्ड क्रमांक 6 से पार्षद प्रत्याशी पवन अग्रवाल की गिरफ्तारी की मांग तेज हो गई है।

गोंडवाना महासभा केंद्र तिवरता, कोरबा के सचिव ईश्वर आरमेक्सन, गोंडवाना महासभा ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में कहा है कि दिनांक 31.01.25 को (एसडीएम) सभागार कक्ष में गोंड समाज को लेकर अमर्यादित टिप्पणी करने वाले पवन अग्रवाल पिता बिहारी लाल अग्रवाल निवासी कटघोरा के खिलाफ लाल बहादुर सिंह कोर्राम निवासी कटघोरा के द्वारा कटघोरा थाना में दिनांक 01.02.25 को अपराध क्र.46/2025 धारा 3 (1) (द) एस टी.एस सी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कराया गया था। जिसके चलते पवन अग्रवाल के द्वारा दिनांक 03.02.25 को विशेष न्यायाधीश एस टी.एस सी एक्ट कोरबा के समक्ष अग्रिम जमानत हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था।

दिनांक 04.02.25.को न्यायाधीश के द्वारा जमानत याचिका नामंजूर कर दिया गया है उसके बावजूद आज तक अभी भी पवन अग्रवाल की गिरफ्?तारी नहीं होने के कारण वह पूरे कटघोरा नगर में मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता कहते हुए घूम रहा है, जिसके कारण गोंड़ (आदिवासी) समाज के बीच में रोष व्याप्त है एवं तनाव बढ़ता ही जा रहा है जबकि वर्तमान में संवेदनशील नगरीय निकाय चुनाव एवं पंचायती राज चुनाव की प्रक्रिया चल रही है जिसके चलते गम्भीर घटना की आशंका बनी हुई है। पुलिस अधीक्षक से निवेदन किया गया है कि सार्वजनिक स्थल पर ऐसे समाज विशेष पर अमर्यादित टिप्पणी करने वाले की गिरफ्?तारी तत्काल की जाये अन्यथा आने वाले दिनों में मजबूरन समाज के द्वारा ठोस एवं निर्णायक कार्यवाही करने हेतु उचित कदम उठाया जायेगा जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंर्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

ठाड़पथरा में पर्यटन को बढ़ावा देने विविध गतिविधियों का आयोजन

- पर्यटकों और विद्यार्थियों ने जंगल ट्रैकिंग, बोटिंग का लिया आनंद
- जैव विविधता की मिली रोचक जानकारी

रायपुर । आरएनएस

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को गौरेला जनपद के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल ठाड़पथरा में विशेष पर्यटन गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस आयोजन के तहत स्थानीय पर्यटन समिति को प्रशिक्षित किया गया, साथ ही बनमनई नेचर कैंप का आयोजन हुआ, जिसमें पर्यटकों और विद्यार्थियों ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के दौरान इंदिरा गांधी जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के 40 विद्यार्थियों सहित कई पर्यटकों ने रोमांचक जंगल ट्रैकिंग में हिस्सा लिया। मुख्य प्रशिक्षक एवं पर्यावरणविद संजय पयासी ने सैलानियों को अमरावती गंगा नदी के किनारे रिवर वॉक कराते हुए जिले की समृद्ध जैव विविधता से परिचित कराया। उन्होंने दुर्लभ औषधीय वृक्षों जैसे दहीमन, कुरकुट, अर्जुन, अमलताश, सेमल और साल की पहचान कराई। ट्रैकिंग का मुख्य आकर्षण अमरावती नदी के किनारे स्थित कमरापथरा से ऐतिहासिक माई के मंडप तक की रोमांचक यात्रा रही।

माई के मंडप नर्मदा नदी के विवाह से जुड़ी लोककथा के लिए प्रसिद्ध है। इसे दुनिया का पहला विवाह मंडप माना जाता है। यहां मौजूद पत्थरों पर उकेरी गई बारात के बरतन की आकृतियां पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनीं। सैलानियों ने माई के मंडप के झरने का आनंद लिया और इस ऐतिहासिक स्थल की पौराणिकता को करीब से महसूस किया।

ट्रैकिंग और झरने में स्नान के बाद पर्यटकों ने स्थानीय पर्यटन समिति द्वारा तैयार पारंपरिक देशी भोजन का आनंद उठाया, जिसे माहुल पत्ती के पत्तलों में परोसा गया। शाम होते ही ठाड़पथरा के मड हाउस स्थित झील किनारे कैंप फायर का आयोजन हुआ। चांदनी रात में पैडल बोटिंग का अनुभव पर्यटकों के लिए अविस्मरणीय रहा।

इस दौरान स्थानीय बैगा महिलाओं ने पारंपरिक लोकगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसमें पर्यटक भी झूम उठे। इसके बाद स्टोरी टेलिंग सेशन में सभी ने अपने अनुभव साझा किए और पर्यटन स्थल की ऐतिहासिक व सांस्कृतिक विरासत को और करीब से जाना। इस आयोजन ने गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में पर्यटन की अपार संभावनाओं को एक नई दिशा दी है। स्थानीय प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों से न केवल स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि क्षेत्रीय रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।